LIDA Stories

lidastories.net

नॉर्वे आना

✎ Aamiina
Julie Cornelia van Walsum
Pratibha Singh

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

नॉर्वे आना

✎ Aamiina
Julie Cornelia van Walsum
Pratibha Singh

5

हिन्दी hi

मेरे दो भाई और मैं दिसंबर 2016 में नॉर्वे आए थे। हमने गर्मियों के कपड़े पहने थे क्योंकि हमें लगा था कि नॉर्वे में उतनी ही गर्मी होगी जितनी सोमालिया में हुआ करती थी। हालाँकि, जब हम हवाई अड्डे पर पहुँचे, तो बर्फ़ गिर रही थी। हमें ठंड लग रही थी और मौसम सर्द था। हालाँकि हम कुछ सूटकेस लाए थे, लेकिन उनमें केवल गर्मी के कपड़े थे।

भले ही ठंड थी, लेकिन जब हम नॉर्वे आए तो मुझे बहुत खुशी हुई। मैं आखिरकार अपनी माँ से दोबारा मिलूँगी, जिन्हें मैंने छह साल से नहीं देखा था। मेरी माँ और उनके दो दोस्त हमसे मिले। जब हमने उन्हें देखा तो हम खुशी से रो पड़े। हम उस छोटे से शहर में गए जहाँ माँ रहती हैं।

माँ के शहर में शुरुआती कुछ दिन बड़े अजीब बीते। यह जगह ठंडी और बर्फीली थी, साथ ही वहाँ देखने के लिए कुछ ख़ास नहीं था। सड़कें पूरी तरह खाली थीं। मैं जिन कुछ लोगों से मिली, वे मिलनसार नहीं लग रहे थे। सोमालिया में हर जगह लोग हुआ करते थे, इसलिए यहाँ सब कुछ अनजाना सा लगा। मेरी माँ और उनकी सहेलियों ने हमें कुछ उपहार दिए, और फिर वह हमें सर्दियों के कपड़े खरीदने ले गईं।

अगर मैं सोमालिया में रहती, तो मेरे ख़्याल से अब तक मैं एक माँ बन चुकी होती। शायद मेरे कई बच्चे हो चुके होते। अगर मैं सोमालिया में होती, तो मेरे पास यह सब अवसर नहीं होते, जो अब मेरे पास हैं। नॉर्वे में रहकर, मैं अपने आपको भाग्यशाली समझती हूँ।

अगले साल मैं स्वास्थ्य और युवा विकास अनुभाग में माध्यमिक विद्यालय शुरू करूँगी। भविष्य में मैं एक युवा कार्यकर्ता बनना चाहती हूँ। अपनी शिक्षा पूरी कर लेने के बाद, मेरा सपना एक स्थायी नौकरी पाने का है। मैं ड्राइव करना भी सीखना चाहती हूँ और अपना ड्राइवर लाइसेंस हासिल करना चाहती हूँ।

क्रिसमस की छुट्टियों के बाद मैं वयस्क शिक्षा केंद्र में नॉर्वे के एक कोर्स में शामिल हुई। मैंने शुरुआत करने के लिए एक साधारण स्कूल में दाखिला लेने से पहले दो सालों तक वहाँ पढ़ाई की। अब मैं अपने अंतिम वर्ष में हूँ और मैंने कई नए दोस्त बना लिए हैं। मैं बहुत मिलनसार हूँ और अन्य लोगों से मिलने में मुझे मज़ा आता है।

स्कूल के बाद मैं स्वयंसेवकों द्वारा संचालित एक केंद्र पर जाती हूँ जहाँ मुझे अपने गृहकार्य में मदद मिलती है। मैं केंद्र में एक सिलाई पाठ्यक्रम में भी शामिल हुई हूँ।

सोमालिया में मैं कभी स्कूल नहीं गई या कुरान स्कूल को छोड़कर कोई कोर्स नहीं किया। मुझे पढ़ना या लिखना नहीं आता था। अब मैंने सीखा है कि सोमाली और नॉर्वेजियन और कई अन्य विषयों में कैसे लिखना है। शिक्षा के बिना मुझे लगा था कि मैं कुछ भी नहीं हूँ। अब मैं जानकार और खुशी महसूस करती हूँ।